

| Unterer Anfang Unterer Beginn | Zweiständigkeiten zwiespältigen-Standpunkte Zaudereien Zwistigkeiten | |
|---|---|--|
| Herkunft | der | Zwistigkeiten |
| 1.) | av | 1.) no ma pl |
| πό-θεν Welch-sitzig Woher | sind sie | πόλεμοι Streite Bekriegungen Polemiken |
| καί und A = 3 | πό-θεν welch-sitzig woher A = 4 | sind sie |
| μάχαι Zankereien Wortgefechte | ἐν in A = 1 | ὑμῖν euch A = 2 |
| Sind sie | οὐκ nicht | ἐν-τεῦθεν hierin-sitzig von dannen |
| ἐκ ausgrund | τῶν der | ἡδονῶν Genüsse Vergnügungen, Annehmlichkeiten Lüste Gerngehabten Gerngetanen |
| τῶν der | στρατευομένων individuell Kriegführenden individuell als Heer Dienenden | |
| zum Kriegführen Veranlaßtseienden zum als Heerdienen Veranlaßtseienden | zum Kriegführen Veranlaßtwerdenden zum als Heerdienen Veranlaßtwerdenden | |
| ἐν in | τοῖς den | |
| μέλεσιν Gliedern, | ὑμῶν eurerseits euren | ? |

| Herkunft |
|----------------------------------|
| der |
| Zwistigkeiten |
| ¹ Woher |
| ¹ sind |
| ¹ Bekriegungen |
| ¹ und |
| ¹ woher |
| ¹ sind |
| ¹ Wortgefechte |
| ¹ inmitten |
| ¹ von |
| ¹ euch? |
| Sind |
| sie |
| nicht |
| hierin |
| sitzig: |
| ausgrund |
| eurer ^d Vergnügungen, |
| der, |
| die |
| (fortlaufend) ^{pt} |
| in |
| euren ^d Gliedern |
| zum |
| Kriegführen |
| veranlaßt |
| werden? |

Jak 3.14

Röm 7.23

1 Petr 2.11

¹aL, **Codex Alexandrinus** schreiben (Wortreihenfolge):
 „Woher sind Bekriegungen inmitten von euch und woher sind Wortgefechte?“
¹aL, **Textus Receptus** schreibt (einmal „woher“ fehlt):
 „Woher sind Bekriegungen und Wortgefechte inmitten von euch?“

| | | |
|--|--|------------------------------|
| 2.) | 2 p pl pr | 2.) |
| ἐπι-θυμείτε | καὶ | οὐκ |
| Allgebiets-Gier fühlt ihr | und | nicht |
| Allgebiets-verlangt ihr | | nichts |
| Begehrt ihr | | |
| 2 p pl pr | 2 p pl pr | |
| ἔχετε | φονεύετε | καὶ |
| habt ihr. | Mordet ihr, | und |
| | <i>Emordet</i> ihr | |
| 2 p pl pr | | |
| ζηλοῦτε | | |
| beeifert ihr | - | - |
| euch eifrig bemüht ihr | {um | {irgend} |
| | | { ^r etwas}, |
| καὶ | οὐ | |
| und | nicht | {irgend} |
| | | { ^r etwas} |
| 2 p pl pr md/ps dp | | 2 p pl pr md/ps dp (Zustand) |
| δύνασθε | | |
| individuell vermögt ihr | | vermögen <i>d</i> seid ihr |
| individuell Können habt ihr | | können <i>d</i> seid ihr |
| individuell Macht habt ihr | | mächtig seid ihr |
| individuell Fähigkeit habt ihr | | fähig seid ihr |
| individuell Dynamik habt ihr | | dynamisch seid ihr |
| 2 p pl pr md/ps dp (Vorgang) | | if a2 kt |
| vermögen <i>d</i> werdet ihr | | ἐπι-τυχεῖν |
| könnend werdet ihr | (de facto) auf der ganzen Linie-zu erlangen | |
| mächtig werdet ihr | (de facto) gebietsumfassend-zu erlangen. | |
| fähig werdet ihr | | |
| dynamisch werdet ihr | | |
| 2 p pl pr md/ps dp | | 2 p pl pr md/ps dp (Zustand) |
| μάχεσθε | | |
| Euch zankt ihr | zum Zanken veranlaßt seid ihr | |
| Individuell Wortgefecht führt ihr | zum Wortgefechtführen veranlaßt seid ihr | |
| 2 p pl pr md/ps dp (Vorgang) | | |
| zum Zanken veranlaßt werdet ihr | καὶ | |
| zum Wortgefechtführen veranlaßt werdet ihr, | und | |
| 2 p pl pr | κ, P, Ψ | |
| πολεμείτε | καὶ | οὐκ |
| streitet ihr | Und | nicht |
| euch bekriegt ihr. | | nichts |
| polemisiert ihr | | |
| 2 p pl pr | [R] | prp ak |
| ἔχετε | [δὲ] | διὰ |
| habt ihr | [aber], | wegen |
| ak ne | | |
| τὸ | μή | in |
| des, | nicht | |
| | | |
| der | Lage | zu sein |
| | | |
| | | if pr md/ps |
| scheint ihr, | αἰτεῖσθαι | |
| | individuell ursächlich zu ersuchen | |
| | individuell zu bitten | |
| | individuell zu erbitten | |
| | individuell zu fordern | |
| if pr md/ps (Zustand) | | if pr md/ps (Vorgang) |
| zum ursächlich Ersuchen veranlaßt zu sein | zum ursächlich Ersuchen veranlaßt zu werden | |
| zum Bitten veranlaßt zu sein | zum Bitten veranlaßt zu werden | |
| zum Erbitten veranlaßt zu sein | zum Erbitten veranlaßt zu werden | |
| zum Fordern veranlaßt zu sein | zum Fordern veranlaßt zu werden | |
| | prp ak | 2 p pl ak |
| {richtig} | hinein in | ὑμᾶς |
| | ^h für | euch. |

| |
|-------------------------|
| Ihr |
| begehrt |
| und |
| habt |
| nichts. |
| Ihr |
| mordet |
| und |
| bemüht |
| euch |
| eifrig |
| {um |
| ^r etwas}, |
| und |
| ihr |
| seid |
| nicht |
| fähig, |
| (de facto) ^a |
| ^r etwas} |
| gebietsumfassend |
| zu |
| erlangen. |
| Ihr |
| werdet |
| zum |
| Wortgefechtführen |
| veranlaßt, |
| und |
| ihr |
| bekriegt |
| euch. |
| ¹ Und |
| ¹ ihr |
| ¹ habt |
| ¹ nichts, |
| deswegen, |
| weil |
| ihr |
| nicht |
| in |
| der |
| Lage |
| zu |
| sein |
| scheint, |
| {richtig} |
| ^h für |
| euch |
| individuell |
| zu |
| bitten. |

Gal 5.17
Kol 3.5

1 Joh 3.15

Mat 5.22
Gal 5.20

Mat 5.7.7
Luk 11.9

¹aL, **Codex Alexandrinus** und **Codex Vaticanus** schreiben („Und“ fehlt):

„Ihr habt nichts,“

¹aL, **Textus Receptus** schreibt („Und“ fehlt):

„Ihr habt **aber** nichts,“

| | | |
|---|---|-----------------------------------|
| 3.) | 2 p pl pr | 3.) |
| αἰτεῖτε | καὶ | |
| Ursächlich ersucht ihr | und | {doch} |
| Bittet ihr, | | |
| Erbittet ihr | | |
| Fordert ihr | | |
| | 2 p pl pr | |
| οὐ | λαμβάνετε | δι-ὅτι |
| nichts | nehmt ihr | durch-daß |
| | in Empfang nehmt ihr, | dieweil |
| | ergreift ihr | |
| | av | 2 p pl pr md/ps |
| κακῶς | αἰτεῖσθε | |
| übel | individuell ursächlich ersucht ihr | |
| | individuell bittet ihr | |
| | individuell erbittet ihr | |
| | individuell fordert ihr | |
| | 2 p pl pr md/ps (Zustand) | 2 p pl pr md/ps (Vorgang) |
| zum ursächlich Ersuchen veranlaßt seid ihr | zum ursächlich Ersuchen veranlaßt werdet ihr | |
| zum Bitten veranlaßt seid ihr | zum Bitten veranlaßt werdet ihr, | |
| zum Erbitten veranlaßt seid ihr | zum Erbitten veranlaßt werdet ihr | |
| zum Fordern veranlaßt seid ihr | zum Fordern veranlaßt werdet ihr | |
| | {nämlich | dahingehend,} |
| | prp dt | |
| ἵνα | ἐν | |
| auf daß | es | in |
| | dt fe pl | 2 p pl gn |
| ταῖς | ἡδοναῖς | ὑμῶν |
| den | Genüssen | eurerseits |
| | Vergnügungen, | euren, |
| | Annehmlichkeiten | |
| | Lüste | |
| | Gerngehabten | |
| | Gerngetanen | |
| | κ: 2 p pl a1 kj kt | |
| | {κατα-δαπανήσητε} | |
| | {(de facto) <u>al/bezüglich-aufwenden</u> würdet ihr} | |
| | {κ², A. R: 2 p pl a1 kj kt} | {B: 2 p pl ft} |
| | {δαπανήσητε} | {δαπανήσετε} |
| | {(de facto) <u>aufwenden würdet ihr</u> } | { <u>aufwenden werdet ihr</u> }.} |

| |
|--|
| Ihr |
| bittet, |
| und |
| {doch} |
| nehmt |
| ihr |
| nichts |
| in |
| Empfang, |
| dieweil |
| ihr |
| individuell |
| übel |
| bittet, |
| {nämlich dahingehend,} |
| ¹ auf |
| ¹ daß |
| ¹ ihr |
| ¹ es |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ in |
| ¹ eurer ^d Vergnügungen |
| ¹ al/bezüglich |
| ¹ aufwenden |
| ¹ würdet. |

Sach 7.13
Mi 3.4

¹aL, 2. Korrektor Codex Sinaiticus, Codex Alexandrinus und Textus Receptus schreiben:
„auf daß ihr es (de facto)^a in eurer^d Vergnügungen aufwenden würdet.“
¹aL, Codex Vaticanus schreibt:
„auf daß ihr es (de facto)^a in eurer^d Vergnügungen aufwenden **werdet**.“

| | | | | |
|---|------------------|------------------|-----------------|-----|
| 4.) | | [κ², R: vo | vo ma pl] | 4.) |
| [Ihr | Εηβρεχοι | καί] | | |
| | Ehebrecher | und] | | |
| vo | | vo fe pl] | | |
| ihr | μοιχαλιδες | ! | | |
| | Ehebrechenden | | | |
| | Ehebrecherischen | | | |
| 2 p pl def pe | | | | |
| οὐκ | οὐδατε | ὅτι | | |
| Nicht | gewahrt ihr | daß | | |
| | wahrnehmt ihr, | | | |
| no fe | | no fe | prp gn | |
| ἡ | φιλία | | | |
| die | Freundschaft | {gebiets} | | |
| gn ma | | gn ma | κ, κ²: pn gn ma | |
| τοῦ | κόσμου | τούτου | | |
| des | Schmuckes | dieses | | |
| des | Geschmückten | dieses | | |
| der | Welt, | dieser, | | |
| des | Kosmos' | dieses | | |
| no fe | | κ, κ²: 3 p pr | prp dt | |
| ἐχ-θρα | ἐστίν | | | |
| zu Tilgen ² -Habendes ¹ | ist es | {zuorts} | | |
| Feindschaft | ist sie | | | |
| dt ma | | [A, B, R: prp gn | | |
| τῷ | θεῷ] | | | |
| dem | Einsetzer | [herab | | |
| | Absetzer | [gegen | | |
| | Schauenden | | | |
| | Gott | | | |
| gn ma | | gn ma | 3 p pr] | |
| [τοῦ | θεοῦ | ἐστίν] | | |
| des | Einsetzers | ist es] | | |
| den | Absetzer | ist sie] | | |
| | [Schauenden] | | | |
| | [Gott] | | | |
| ? | | | | |

| | |
|--------------------------------|-----------|
| ¹ Ihr | |
| ¹ Ehebrecherischen! | Hes 16.15 |
| ¹ Nehmt | |
| ihr | |
| ¹ nicht | |
| ¹ wahr, | |
| ¹ daß | |
| ¹ die | |
| ¹ Freundschaft | Joh 15.19 |
| ¹ {gebiets} | |
| ¹ der | |
| ¹ dieser | |
| ¹ Welt | |
| ¹ {zuorts} | |
| ¹ dem | Joh 1.1 |
| ¹ Schauenden | Röm 1.21 |
| ¹ zu | |
| ¹ Tilgen | Röm 8.7 |
| ¹ Habendes | |
| ¹ ist? | |

| | |
|-------------------------------|----------|
| ¹ aL, | |
| 2. Korrektor Codex Sinaiticus | |
| schreibt: | |
| „Ihr | Jes 57.3 |
| Ehebrecher | |
| und | |
| ihr | |
| Ehebrecherischen! | |
| Nehmt | |
| ihr | |
| nicht | |
| wahr, | |
| daß | |
| die | |
| Freundschaft | |
| {gebiets} | |
| der | |
| dieser | |
| Welt | |
| {zuorts} | |
| dem | |
| Schauenden | |
| zu | |
| Tilgen | |
| Habendes | |
| ist?“ | |

¹aL, Codex Alexandrinus und Codex Vaticanus schreiben:
 „Ihr Ehebrecherischen!
 Nehmt ihr nicht wahr,
 daß die Freundschaft {gebiets} der Welt zu Tilgen Habendes gegen den Schauenden ist,“
¹aL, Textus Receptus schreibt:
 „Ihr Ehebrecher und ihr Ehebrecherischen!
 Nehmt ihr nicht wahr,
 daß die Freundschaft {gebiets} der Welt zu Tilgen Habendes gegen den Schauenden ist,“

| | |
|---|--|
| [κ ² , A, B, R: | pna no ma] |
| [Derjenige, | welcher] |
| [ἐάν] | κ, B |
| So | irgend] |
| | jemand] |
| [κ ² , A, R: pk] | |
| [ἐν] | οὖν |
| [in diesem Fall] | daher |
| [gleichsam] | |
| | 3 p a1 kj ps dp kt |
| βουλήθη | |
| (de facto) von dem Zielwurf geleitet werden würde / sollte er | |
| (de facto) von dem Ratschlußfassen geleitet werden würde / sollte er | |
| (de facto) von dem Beschluß geleitet werden würde / sollte er | |
| (de facto) von dem Plan geleitet werden würde / sollte er | |
| | no ma if pr |
| φίλος | εἶναι |
| Freund | zu sein |
| | gn ma |
| τοῦ | κόσμου |
| des | Schmuckes |
| des | Geschmückten |
| der | Welt, |
| des | Kosmos |
| | so |
| | κ: no fe [κ ² , A, B, R: aj no ma] |
| [ἐχ-θρα] | [ἐχ-θρὸς] |
| [zu Tilgen ² -Habendes ¹] | [zu Tilgen ² -Habender ¹] |
| [Feindschaft] | [Feind] |
| | prp gn |
| {gebiets} | τοῦ |
| | des |
| | gn ma |
| θεοῦ | zu sein |
| Einsetzers | |
| Absetzers | |
| Schauenden | |
| Gottes | |
| | 3 p pr md/ps |
| καθ-ίσταται | |
| sich herab-beständigen lassen muß er | |
| sich von oben herab o. allbezüglich o. jeweils-in einen Zustand versetzen lassen muß er | |
| | 3 p pr md/ps (Zustand) |
| herab-beständig ist er | |
| von oben herab o. allbezüglich o. jeweils-in einen Zustand versetzt ist er | |
| | 3 p pr md/ps (Vorgang) |
| herab-beständig wird er | |
| von oben herab o. allbezüglich o. jeweils-in einen Zustand versetzt wird er. | |

| |
|--------------------------------------|
| ¹ So |
| ¹ daher |
| ¹ jemand |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ von |
| ¹ dem |
| ¹ Beschluß |
| ¹ geleitet |
| ¹ werden |
| ¹ würde, |
| ¹ Freund |
| ¹ der |
| ¹ Welt |
| ¹ zu |
| ¹ sein, |
| ¹ so |
| ¹ wird |
| ¹ er |
| ¹ jeweils |
| ¹ in |
| ¹ einen |
| ¹ Zustand |
| ¹ versetzt, |
| ¹ zu |
| ¹ Tilgen |
| ¹ Habendes |
| ¹ {gebiets} |
| ¹ des |
| ¹ Schauenden |
| ¹ zu |
| ¹ sein. |

2 Chr 19.2
Gal 1.10
1 Joh 2.15

Luk 6.26

{2 Kor 5.10}

Joh 1.1
Röm 1.21

¹aL, 2. Korrektor Codex Sinaiticus, Codex Alexandrinus und Textus Receptus schreiben:
„Derjenige, welcher gleichsam (de facto)^a von dem Beschluß geleitet werden würde,
Freund der Welt zu sein, so wird er jeweils in einen Zustand versetzt,
zu Tilgen Habender {gebiets} des Schauenden zu sein.“

¹aL, Codex Vaticanus schreibt:
„Derjenige, welcher so (de facto)^a von dem Beschluß geleitet werden würde,
Freund der Welt zu sein, so wird er jeweils in einen Zustand versetzt,
zu Tilgen Habender {gebiets} des Schauenden zu sein.“

| | | | |
|-------------------|--|-----------|----------------------|
| 5.) | | 2 p pl pr | 5.) |
| ἡ | δοκεῖτε | | ὅτι |
| Oder | <u>meint</u> ihr, | | daß |
| | av | | no fe |
| κενῶς | ἡ | | γραφῆ |
| leer | die | | <u>Geschriebene</u> |
| <u>vergeblich</u> | | | <u>Gottesschrift</u> |
| inhaltslos | | | |
| | | 3 p pr | |
| | λέγει | | ? |
| dies | <u>wortet</u> sie | | |
| | als Wort gebraucht sie | | |
| | <u>sagt</u> sie | | |
| | | prp ak | ak ma |
| | πρὸς | | φθόνον |
| Ob | zu hin | dem | <u>Neid</u> |
| | | der | Mißgunst |
| | | | |
| | | 3 p pr | |
| | ἐπι-ποθεῖ | | |
| | auf-Zeit vermißt er / sie | | |
| | sich allgebiets-sehnt er / sie | | |
| | <u>ersehnt</u> er / sie | | |
| | | no ne | pna no ne |
| τὸ | πνεῦμα | | ὃ |
| der | <u>Geist,</u> | | welcher |
| die | Atmung, | | welche |
| | | | |
| | | | a, (A), B: 3 p a1 kt |
| | κατ-ῶκισεν | | |
| | [(de facto) von oben Herab-Wohnung macht er / sie] | | |
| | [(de facto) allbezüglich-Wohnung macht er / sie] | | |
| | [(de facto) jeweils-Wohnung macht er / sie] | | |
| | [(de facto) entsprechend-Wohnung macht er / sie] | | |
| | | | [P, R: 3 p a1 kt] |
| | κατ-ῶκησεν | | |
| | [(de facto) von oben herab-wohnt er / sie] | | |
| | [(de facto) allbezüglich-wohnt er / sie] | | |
| | [(de facto) jeweils-wohnt er / sie] | | |
| | [(de facto) entsprechend-wohnt er / sie] | | |
| | | prp dt | 2 p pl dt |
| ἐν | ὑμῖν | | |
| in | euch | | ? |

| |
|--------------------------------------|
| Oder |
| meint |
| ihr, |
| daß |
| die |
| Gottesschrift |
| dies |
| vergeblich |
| sagt? |
| Ob |
| der |
| Geist, |
| ¹ welcher |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ in |
| ¹ uns |
| ¹ jeweils |
| ¹ Wohnung |
| ¹ macht, |
| sich |
| außerordentlich |
| zum |
| Neid |
| hin |
| sehnt? |

Eph 2.22
 Eph 3.17

Hi 14.15

¹aL, Codex Porfirianus und Textus Receptus schreibt:
 „welcher (de facto)^a in uns jeweils **wohnt**,“

| | | | |
|---|---|---|---|
| <p>Das Das Der</p> | <p>Übererscheinen überlegen Erscheinen Stolz</p> | <p>Stolz</p> | |
| | und | | |
| <p>die</p> | <p>Niedrigkeitsgesinnung insgesamt Demut</p> | <p>und Demut</p> | |
| <p>6.)</p> | <p>aj ak fe kp</p> <p>μείζονα Größere</p> <p>δε aber</p> <p>δίδωσιν gibt er</p> | <p>6.)</p> <p>3 p pr</p> <p>Größere Gnade aber gibt er {doch}.</p> | <p>Joh 1.16</p> |
| | ak fe | | |
| <p>χάρις Befreudung Freudebereitung Gnade Gnadendarreichung Gunst Begünstigung</p> | <p>{doch}.</p> | | |
| | 3 p pr | | |
| <p>δι-ὅ Darum</p> | <p>λέγει wortet sie die Worte gebraucht sie sagt sie</p> | <p>Darum sagt sie: Der</p> | <p>Spr 3.34 1 Petr 5.5</p> |
| | no ma | | |
| <p>ὁ Der</p> | <p>θεός Einsetzer Absetzer Schauende Gott</p> | <p>Schauende wird infolge von</p> | <p>Joh 1.1 Röm 1.21</p> |
| | aj dt ma pl | | |
| <p>den</p> | <p>ὑπερ-ηφάνους Über-Erscheinenden überlegen-Erscheinenden Stolzen</p> | <p>den Stolzen zum</p> | <p>Ps 138.6 Luk 14.11</p> |
| | 3 p pr md/ps | | |
| <p>ἀντι-τάσσεται sich entgegen-ordnet er</p> | <p>zum Entgegen-Ordnen veranlaßt ist er</p> | <p>Entgegenordnen veranlaßt,</p> | |
| | 3 p pr md/ps (Vorgang) | | |
| <p>zum Entgegen-Ordnen veranlaßt wird er,</p> | <p>den</p> | <p>den Gedemütigten</p> | <p>Hi 22.29 Röm 12.16 2 Kor 7.6</p> |
| | dt ma pl | | |
| <p>ταπεινός Niedrigen Erniedrigten Gedemütigten</p> | <p>δε aber</p> <p>δίδωσιν gibt er</p> <p>χάρις Befreudung Freudebereitung Gnade Gnadendarreichung Gunst. Begünstigung</p> | <p>aber gibt er Gunst.</p> | |
| | 3 p pr | | |
| | ak fe | | |

| | | | |
|-----|---|--|-------------------------|
| 7.) | 2 p pl a1 il ps kt (Zustand) | 2 p pl a1 il ps kt (Vorgang) | 7.) |
| | ὑποτάγητε | | Werdet |
| | (De facto) <u>unter-geordnet</u> seid ihr | (de facto) unter-geordnet werdet ihr | (de facto) ^a |
| | (De facto) <u>unterworfen</u> seid ihr | (de facto) <u>unterworfen</u> werdet ihr | |
| | | | daher |
| | οὖν | | {infolge |
| | prp dt | | von} |
| | {infolge von} | τῷ | dem |
| | | dem | |
| | dt ma | | Gott |
| | θεῷ | ! | untergeordnet! |
| | Einsetzer | | |
| | Absetzer | | |
| | Schauenden | | |
| | <u>Gott</u> | | |
| | | 2 p pl a2 il kt | Widerstehet |
| | ἀντί-στητε | | aber |
| | (De facto) <u>wider-stehet</u> ihr | | (de facto) ^a |
| | (De facto) <u>entgegenstellenden</u> Wider-Stand leistet ihr | | |
| | (De facto) <u>entgegengerichteten-Standpunkt</u> einnehmet ihr | | |
| | | | dem |
| | δέ | τῷ | Teufel! |
| | aber | dem | Und |
| | | | er |
| | dt ma | | wird |
| | δια-βόλω | ! | individuell |
| | Durcheinander-Werfer | | von |
| | Durcheinander-Treiber | | euch |
| | durch und durch-als verwerflich Bezeichneten | | fliehen! |
| | Durch-Triebenen | | |
| | <u>Dia-Bolos</u> | | |
| | Teufel | | |
| | | 3 p ft md (dp) | |
| | καὶ | φεύζεται | |
| | Und | individuell <u>fliehen</u> wird er | |
| | | individuell <u>flüchten</u> wird er | |
| | | individuell <u>entrinnen</u> wird er | |
| | | sich in <u>Verbannung</u> <u>begeben</u> wird er | |
| | prp gn | 2 p pl gn | |
| | ἀφ | ὑμῶν | |
| | von | euer | |
| | | euch. | |

Röm 13.2
 Heb 12.9

Eph 4.27
 Eph 6.11
 1 Petr 5.8

Mat 4.10+11
 Luk 4.12+13

| | | | | | | |
|-----|--|-------------|----------|---|-------------------------|-------------------------|
| 8.) | 2 p pl a1 il kt | 8.) | prp dt | | | |
| | ἐγ-γίσατε | | | | Nähert | Sach 1.3 Ps 145.18 |
| | (De facto) im-Handsschlag-erreicht ihr | | {zuorts} | | euch | |
| | (De facto) <u>nähert</u> ihr | | | | (de facto) ^a | |
| | (De facto) euch <u>nähert</u> ihr | | | | {zuorts} | |
| | | | dt ma | | | |
| | τῷ | θεῷ | | | | |
| | dem | Einsetzer | | ! | | |
| | dem | Absetzer | | | dem | |
| | | Schauenden | | | Gott!, | |
| | | <u>Gott</u> | | | | |
| | | | | | und | |
| | | | | | er | |
| | | | | | wird | |
| | | | | | sich | |
| | | | | | euch | |
| | | | | | {zuorts} | |
| | | | | | nähern. | Mat 3.7 Luk 3.7 |
| | | | | | Reinigt | Jes 1.16 |
| | | | | | (de facto) ^a | |
| | | | | | die | |
| | | | | | Hände, | Ps 18.21 |
| | | | | | ihr | |
| | | | | | Verfeher, | Ps 18.24 1 Joh 3.4+8 |
| | | | | | und | |
| | | | | | führt | |
| | | | | | (de facto) ^a | |
| | | | | | die | |
| | | | | | Herzen | |
| | | | | | zum | |
| | | | | | Sieg, | |
| | | | | | ihr, | |
| | | | | | Zweigeseelten! | Jak 1.8 |
| | | | | | | |

| | | | |
|---|------------------------------------|---|---|
| 9.) | 2 p pl a1 il kt | 9.) | |
| ταλαι-πωρήσατε (De facto) euch wie Gewogene-verstocket fühlet ihr (De facto) euch als Verstockte ² -gewogen ¹ fühlet ihr (De facto) euch im Erdulden-verstocket fühlet ihr (De facto) euch als zu einer Talantonbeschwerne-verstocket fühlet ihr (de facto) <u>E</u> lend fühlet ihr | | ¹ Fühlet ¹ (de facto) ^a ¹ elend | |
| καὶ und | 2 p pl a1 il kt | ¹ und | |
| πεν-θήσατε (de facto) Trauer-setzet ihr (de facto) Gott ² betreffend-Trauer ¹ anstimmet ihr (de facto) <u>trauert</u> ihr | | ¹ trauert | |
| [καὶ] [und] | [B, R] 2 p pl a1 il kt | ¹ (de facto) ^a , | |
| κλαύσατε (de facto) <u>schluchzet</u> ihr ! | | ¹ schluchzet | Joel 2.12 |
| ὁ Das | no ma 2 p pl gn | ¹ (de facto) ^a ! | |
| γέλωσ freudestrahlende Glänzen | | ¹ Euer ^d Lachen | Luk 6.25 |
| ὑμῶν euer, | | ¹ werde | Joel 2.12 |
| εἰς hinein in ^h in Richtung auf ^h in | prp ak | ¹ (de facto) ^a | |
| πέν-θος Trauer-Setzen von Gott ¹ -bestimmte Trauer ¹ <u>Trauer</u> | ak ne | ¹ hinein ¹ in | |
| μετα-στραφήτω [(de facto) <u>um-gewendet</u> sei es [(de facto) <u>um-gekehrt</u> sei es [(de facto) <u>verkehrt</u> sei es | κ, A, R: 2 p a2 il ps kt (Zustand) | ¹ Trauer | Röm 9.21 |
| (de facto) <u>um-gewendet</u> werde es (de facto) <u>um-gekehrt</u> werde es (de facto) <u>verkehrt</u> werde es | 2 p a2 il ps kt (Vorgang) | ¹ umgekehrt | |
| μετα-τραπήτω [(de facto) <u>um-gedreht</u> sei es | [B: 2 p a2 il ps kt (Zustand)] | ¹ und | |
| (de facto) <u>um-gedreht</u> werde es | 2 p a2 il ps kt (Vorgang)] | ¹ die | |
| καὶ und | no fe | ¹ Freude | |
| ἡ die | | ¹ hinein | |
| χαρά <u>Freude</u> | | ¹ in | |
| εἰς hinein in ^h in Richtung auf ^h in | prp ak | ¹ Trübnis! | |
| κατ-ήφειαν herabgesetztes-Scheinen <u>Trübnis</u> Niedergeschlagenheit | ak fe | ¹ Daher | |
| ¹ aL, Codex Vaticanus schreibt: „Fühlet (de facto) ^a elend und trauert (de facto) ^a <u>und</u> schluchzet (de facto) ^a ! Euer ^d Lachen werde (de facto) ^a hinein in Trauer <u>umgedreht</u> und die Freude hinein in Trübnis!“ | | ¹ werdet | |
| ¹ aL, Textus Receptus schreibt: „Fühlet (de facto) ^a elend und trauert (de facto) ^a <u>und</u> schluchzet (de facto) ^a ! Euer ^d Lachen werde (de facto) ^a hinein in Trauer umgekehrt und die Freude hinein in Trübnis!“ | | ¹ (de facto) ^a ¹ im | |
| 10.) | 2 p a2 il ps kt (Zustand) | 10.) | |
| ταπεινώθητε (De facto) erniedrigt seid ihr (De facto) gedemütigt seid ihr | 2 p a2 il ps kt (Vorgang) | ¹ Auge | |
| ὁὖν daher | prp gn | ¹ des | |
| ἐν-ὄπιον <u>im-Auge</u> des | κ, A, B | ¹ Herrn | |
| [τοῦ] [des] | [R] gn ma | ¹ gedemütigt!, und | 2 Chr 7.14 |
| κυρίου Geltenden <u>Herrn</u> | | er | |
| καὶ und | 3 p ft | wird | |
| ὑψώσει erhöhen wird er | 2 p pl ak | euch. | |
| ¹ aL, Codex Alexandrinus und Codex Vaticanus schreiben („Daher“ fehlt) „Werdet (de facto) ^a im Auge des Herrn gedemütigt!“, | | euch | Ps 113.5-9 Spr 29.23 Mat 23.12 Luk 14.11 1 Petr 5.6 |
| ¹ aL, Textus Receptus schreibt („Daher“ fehlt): „Werdet (de facto) ^a im Auge <u>des</u> Herrn gedemütigt!“, | | erhöhen. | |

| | |
|-----------------------|--|
| Betreffs | |
| | Herabsprechens herabsetzenden Sprechens Gegensprechens Verleumdens |
| des | |
| und | |
| | Beurteilens Richtens |
| des | |
| 11.) | 11.) |
| | 2 p pl pr il |
| μή | κατα-λαλείτε |
| Nicht | herab-sprechet ihr herabsetzend-sprechet ihr gegen-sprechet ihr euch verleumdet ihr |
| | prp gn * B, R: pna gn ma pl |
| - | ἀλλήλων |
| - | einander |
| - | |
| herabsetzend / gegen | |
| | A = 3 |
| | vo vo ma pl |
| ihr, | die ihr des ἰσὺν-δελφῶν seid, |
| ihr | Brüder |
| | A = 1 |
| | [A: 1 p gn] |
| [μου] | |
| [meiner/seits] | ! |
| [meine] | |
| A = 2 | |
| | pt pr no ma prp gn |
| ὁ | κατα-λαλῶν |
| Der | herab-Sprechende herabsetzend-Sprechende gegen-Sprechende Verleumdende |
| | herabsetzend / gegen |
| | gn ma |
| den | den des ἰσὺν-δελφῶν ist, |
| | Brüder |
| | pt pr no ma |
| ἢ | κρίνων |
| oder | Beurteilende Richtende |
| | ak ma |
| τὸν | den des ἰσὺν-δελφῶν ist, |
| den, | Brüder, |
| den | |
| | 3 p gn ma 3 p pr prp gn |
| αὐτοῦ | κατα-λαλεῖ |
| seinerseits | herab-spricht er herabsetzend-spricht er gegen-spricht er verleumdet er |
| seinen, | herabsetzend / gegen |
| | gn ma |
| das | νόμου |
| die | Denken Bestimmende |
| das | Bestimmung |
| | καὶ |
| | und |
| | 3 p pr ak ma |
| κρίνει | νόμου |
| beurteilt er | denken Bestimmende |
| richtet er | Bestimmung |
| | Gesetz. |

| |
|---|
| Betreffs |
| des |
| Verleumdens |
| und |
| des |
| Richtens |
| ¹ Verleumdet |
| ¹ euch |
| ¹ nicht |
| ¹ gegeneinander, |
| ¹ ihr |
| ¹ Brüder! |
| Derjenige, |
| der |
| (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} |
| gegen |
| den |
| Brüder |
| verleumdet |
| oder |
| der |
| (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} |
| seinen ^d Brüder |
| richtet, |
| verleumdet |
| gegen |
| das |
| Gesetz |
| und |
| richtet |
| das |
| Gesetz. |

2 Mos 34,6
Spr 14,29

¹aL, Codex Alexandrinus schreibt (auch Wortreihenfolge):
„Verleumdet euch nicht, ihr **meine** Brüder, gegeneinander!“

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| εί | δέ | |
| Wenn | aber | Wenn |
| | | du |
| | | aber |
| | | das |
| | | Gesetz |
| | | richtest, |
| | | so |
| | | bist |
| | | kein |
| | | Täter |
| | | des |
| | | Gesetzes, |
| | | sondern |
| | | ein |
| | | Richter. |

Mat 7.1
 Luk 6.37

| | | | |
|-------------------------------|--------------------------------|--|--------------------------------|
| 12.) | nu no ma | 12.) | 3 p pr |
| εἷς | | ἔστιν | |
| Einer | | ist er | |
| | κ, A, R | | no ma |
| ὁ | | νομο-θέτης | |
| der | | Setzer ² -des Denken Bestimmenden ¹ | |
| | | Bestimmungs-Setzer | |
| | | Gesetzes-Setzer | |
| | | | no ma |
| καὶ | | κριτής | |
| und | | Beurteiler | |
| | | Richter, | |
| | κ, B, R | | [A] |
| ὁ | | | |
| der | | [der] | |
| | pt pr no ma md/ps dp | | pt pr no ma md/ps dp (Zustand) |
| δυνάμενος | | | |
| individuell Vermögende | | Vermögensseiende | |
| individuell Können Habende | | Könnenseiende | |
| individuell Macht Habende | | Mächtigseiende | |
| individuell Fähigkeit Habende | | Fähigseiende | |
| individuell Dynamik Habende | | Dynamischseiende | |
| | pt pr no ma md/ps dp (Vorgang) | | if a1 kt |
| Vermögenswerdende | | σῶσαι | |
| Könnendwerdende | | (de facto) zu retten | |
| Mächtigwerdende | | (de facto) zu erretten | |
| Fähigwerdende | | (de facto) in das Heil zu bringen | |
| Dynamischwerdende | | (de facto) in das Soziale zu helfen | |
| | | | if a1 kt |
| καὶ | | ἀπ-ο-λέσαι | |
| und | | (de facto) gänzlich ² -weg ¹ -zulösen ³ | |
| | | (de facto) verloren zu machen ^{vn} | |
| | | (de facto) zugrunde gehen ^{vn} zu lassen. | |
| | 2 p no | | |
| σύ | | δὲ | |
| Du | | aber, | |
| | pn no ma | | 2 p pr |
| τίς | | εἶ | |
| wer | | bist du, | |
| | κ, A, B: | | pt or no ma |
| ὁ | | κρίνων | |
| der | | Beurteilende | |
| | | Richtende | |
| | ak ma | | av |
| τὸν | | πλησίον | |
| den | | Verflochtenen | |
| | | Nächsten | |
| | [R: | ὁ | pna no ma |
| | | welcher | |
| | 2 p pr | | |
| κρίνεις | | τὸν | |
| beurteilst du | | den | |
| [richtest du] | | | |
| | aj ak ma] | | |
| ἕτερον] | | | |
| anderweitigen] | | ? | |

| |
|--|
| ¹ Einer |
| ¹ ist |
| ¹ der |
| ¹ Gesetzessetzer |
| ¹ und |
| ¹ Richter, |
| ¹ derjenige, |
| ¹ der |
| ¹ es |
| ¹ individuell |
| ¹ (im weiteren Zeitverlauf) ^{pt} |
| ¹ vermag, |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ zu |
| ¹ retten |
| ¹ und |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ zugrunde |
| ¹ gehen ^{vn} |
| ¹ zu |
| ¹ lassen. |
| ¹ Du, |
| ¹ wer |
| ¹ bist |
| du, |
| ¹ derjenige, |
| ¹ der |
| ¹ den |
| ¹ Nächsten |
| ¹ (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} |
| ¹ richtet? |

Jes 33.22
Heb 12.23
Jud 15

Mat 10.28

Röm 14.4

¹aL, **Codex Alexandrinus** schreibt (das zweite „der“ fehlt):
„Einer ist der Gesetzessetzer und Richter, *derjenige*,
der es individuell (im weiteren Zeitverlauf)^{pt} vermag,
(de facto)^a zu retten und (de facto)^a zugrunde gehen^{vn} zu lassen.
Du, wer bist du, *derjenige*, der den Nächsten (im Verlauf dieses Zeitlaufs)^{pt} richtet?“
¹aL, **Codex Vaticanus** schreibt (das erste „der“ fehlt):
„Einer ist Gesetzessetzer und Richter, *derjenige*,
der es individuell (im weiteren Zeitverlauf)^{pt} vermag,
(de facto)^a zu retten und (de facto)^a zugrunde gehen^{vn} zu lassen.
Du, wer bist du, *derjenige*, der den Nächsten (im Verlauf dieses Zeitlaufs)^{pt} richtet?“
¹aL, **Textus Receptus** schreibt:
„Einer ist der Gesetzessetzer und Richter, *derjenige*,
der es individuell (im weiteren Zeitverlauf)^{pt} vermag,
(de facto)^a zu retten und (de facto)^a zugrunde gehen^{vn} zu lassen.
Du, wer bist du, *derjenige*, **welcher** du den **anderweitigen** richtest?“

| | |
|---|--|
| <u>Betreffs</u> | |
| des | |
| selbtsicheren | |
| Zielwurfgebungmachens als Ratschluß gefaßter Willen Machens Beschlußmachens Plänemachens | |
| 13.) | 13.) |
| 2 p pr ii / ij | |
| <i>ἔγχε</i> | <i>νῦν</i> |
| Hergeführt du | nun |
| Heran du | |
| Wohlan du | |
| ! | |
| vo | |
| ihr | |
| pt pr vo ma pl | |
| <i>οἱ</i> | <i>λέγοντες</i> |
| die | Wortenden die Worte Gebrauchenden Sagenden |
| : | |

| |
|--------------------------|
| <u>Betreffs</u> |
| des |
| selbtsicheren |
| Plänemachens |
| Wohl |
| an |
| nun! |
| ihr, |
| die |
| ihr |
| (zur Zeit) ^{pt} |
| sagt: |

Spr 27.1

| | | | |
|----------------------------|--|--|----------------|
| av | σ-ήμερον Diesen-Tag Heute | [ή] | κ, B |
| [A, R] | [καί] | αὔριον anderntags | av |
| κ, B: 1 p pl ft md | [πορευοῦμεθα] | | |
| [A, R: 1 p pl a1 kj md kt] | [(de facto) individuell gehen werden wir] | | |
| prp ak | εἰς hinein in ^h in Richtung auf ^h in | τήν-δε die-aber | |
| ak fe | πόλλων Vielige aus vielen Bestehende Stadt, | καί und | |
| κ, A, R: 1 p pl a1 kj kt | [ποιήσωμεν] | [ποιήσομεν] | [B: 1 p pl ft] |
| | [(de facto) tätig wirken sollten / könnten wir] [(de facto) verbringen sollten / könnten wir] | [individuell tätig wirken werden wir] [individuell verbringen werden wir] | |
| κ, B: | [ἐκεῖ] | εἰν] | |
| ak ma | ἐν-αυτὸν in-selber Weise Geordnetes Kalenderjahr Amtsjahr | [ἐν] | [A, R] |
| | καί und | | |
| κ, A, B: 1 p pl ft md dp | [ἐμ-πορευοῦμεθα] | | |
| | [uns in-Gang befinden werden wir] [individuell Handel treiben werden wir] [individuell erhandeln werden wir] | | |
| 1 p pl ft | καί und | | |
| [R: 1 p a1 kj md dp kt] | κερδήσομεν] | | |
| | Gewinn machen werden wir] | | |
| | [ἐμ-πορευοῦμεθα] | | |
| | [(de facto) uns in-Gang befinden sollten / könnten wir] [(de facto) individuell Handel treiben sollten / könnten wir] [(de facto) individuell erhandeln sollten / könnten wir] | | |
| | καί und | | |
| 1 p pl a1 kj kt] | κερδήσομεν] | | |
| | (de facto) Gewinn machen sollten / könnten wir], | | |

¹aL, **Codex Vaticanus** schreibt:
„Heute oder anderntags werden wir individuell ^hin aber die, ja die die Stadt gehen,
und werden dort individuell ein Kalenderjahr tätig wirken,
und wir werden Handel treiben, und wir werden Gewinn machen,“
¹aL, **Textus Receptus** schreibt:
„Heute und anderntags sollten wir individuell (de facto)^a ^hin die Stadt gehen,
und sollten ein Kalenderjahr (de facto)^a tätig wirken,
und wir sollten (de facto)^a Handel treiben, und wir könnten (de facto)^a Gewinn machen,“

| |
|--|
| ¹ Heute |
| ¹ oder |
| ¹ anderntags |
| ¹ werden |
| ¹ wir |
| ¹ individuell |
| ¹ aber |
| ^{1h} in |
| ¹ die |
| oder |
| die |
| ¹ Stadt |
| ¹ gehen, |
| ¹ und |
| ¹ wir |
| ¹ sollten |
| ¹ dort |
| ¹ ein |
| ¹ Kalenderjahr |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ tätig |
| ¹ wirken, |
| ¹ und |
| ¹ wir |
| ¹ werden |
| ¹ Handel |
| ¹ treiben, |
| ¹ und |
| ¹ wir |
| ¹ werden |
| ¹ Gewinn |
| ¹ machen, |
| ¹ aL, Codex Alexandrinus schreibt: „Heute und anderntags sollten wir individuell (de facto) ^a ^h in die Stadt gehen, und sollten ein Kalenderjahr (de facto) ^a tätig wirken, und wir werden Handel treiben, und wir werden Gewinn machen,“ |

Luk 12.18

Mat 16.26
Mar 8.36
Luk 9.25

| | | |
|---|------------------------------|----------------|
| 14.) | pna no ma pl | 14.) |
| οἵ-τινες | | οὐκ |
| welche-irgend | | nicht |
| | 2 p pl pr md/ps dp | |
| ἐπί-σταθε | | |
| individuell <u>darauf-steht</u> ihr | | |
| individuell <u>auf fundiertem Wissen-steht</u> ihr | | |
| individuell <u>versteh</u> ihr | | |
| | 2 p pl pr md/ps dp (Zustand) | |
| zum <u>Darauf-Stehen</u> <u>veranlaßt</u> seid ihr | | |
| zum <u>auf fundiertes Wissen-Stehen</u> <u>veranlaßt</u> seid ihr | | |
| zum <u>Verstehen</u> <u>veranlaßt</u> seid ihr | | |
| | 2 p pl pr md/ps dp (Vorgang) | |
| zum <u>Darauf-Stehen</u> <u>veranlaßt</u> werdet ihr | | |
| zum <u>auf fundiertes Wissen-Stehen</u> <u>veranlaßt</u> werdet ihr | | |
| zum <u>Verstehen</u> <u>veranlaßt</u> werdet ihr | | |
| | κ, κ², A, R: prp ak | |
| | | [in Bezug auf] |
| | κ, κ², R: ak ne | [A: ak ne pl] |
| [τὸ] | | [τὰ] |
| [das] | | [die] |
| | | [B: prp gn] |
| <u>Dinge</u> | | [betreffe] |
| | gn fe | av |
| τῆς | | ἄριον |
| des | | anderen Tages. |
| | pna no fe | κ², A, R] |
| ποία | | [γάρ] |
| <u>Was für eine Art</u> | | [denn] |
| Wie beschaffen | | |
| | | κ, κ², A, R |
| ist es | | ἢ |
| | | das |
| | no fe | 2 p pl gn |
| ζωή | | ὑμῶν |
| <u>Leben,</u> | | euer |
| | κ, κ² | [A, B, R] |
| [?,] | | [?] |

| |
|--|
| ¹ welche |
| ¹ irgend |
| ¹ ihr |
| ¹ in |
| ¹ Bezug |
| ¹ auf |
| ¹ das |
| ¹ des |
| ¹ anderen |
| ¹ Tages |
| ¹ nicht |
| ¹ auf |
| ¹ fundiertem |
| ¹ Wissen |
| ¹ steht. |
| ¹ Was |
| für |
| eine |
| ¹ Art |
| ¹ ist |
| ¹ euer ^d Leben?, |

Ps 39.5-7
Spr 27.1

Prd 6.12

| |
|-------------------------------|
| ¹ aL, |
| 2. Korrektor Codex Sinaiticus |
| schreibt: |
| „welche |
| irgend |
| ihr |
| in |
| Bezug |
| auf |
| das |
| des |
| anderen |
| Tages |
| nicht |
| auf |
| fundiertem |
| Wissen |
| steht, |
| denn |
| für |
| eine |
| Art |
| ist |
| euer ^d Leben?,“ |

¹aL, Codex Alexandrinus schreibt:
„welche irgend ihr in Bezug auf die Dinge des anderen Tages nicht auf fundiertem Wissen steht, denn was für eine Art ist euer ^dLeben?“

¹aL, Codex Vaticanus schreibt:
„welche irgend ihr betreffe des anderen Tages nicht auf fundiertem Wissen steht, denn was für eine Art ist euer Leben?“

¹aL, Textus Receptus schreibt:
„welche irgend ihr in Bezug auf das des anderen Tages nicht auf fundiertem Wissen steht, denn was für eine Art ist euer ^dLeben?“

| | |
|--|---|
| [A, B, R: no fe] [A: 3 p ft md (dp)] | ἀ-τμῖς] [ἔσται] |
| [Ein Un-Schneidendes] [individuell sein wird es] | [Dampf] |
| [B, R: B: 2 p pl pr] [R: 3 p pr] | [γάρ] [ἔστε] [ἔστιν] |
| [denn] [seid ihr] [ist es] | |
| κ, κ² [A] [B, R] | ἦ] [ἦ] [der] [der] |
| [das] [der] [der] | |
| prp ak aj ak ne | πρὸς ὀλίγων |
| zu wenigem | kurzzeitigem |
| pt pr no fe md/ps | φαινόμενη |
| individuell Erscheinendes | sich Offenbar machendes |
| pt pr no fe md/ps (Zustand) | |
| erscheinengemachtseiendes | zum Vorschein gebrachtseiendes |
| in Erscheinung gebrachtseiendes | dem äußeren Erscheinungsbild nach sichtbarseiendes |
| offenbargemacht seiendes | |
| pt pr no fe md/ps (Vorgang) | |
| erscheinengemachtwerdendes, | zum Vorschein gebrachtwerdendes |
| in Erscheinung gebrachtwerdendes | dem äußeren Erscheinungsbild nach sichtbarwerdendes |
| offenbargemachtwerdendes | |
| av κ, κ², A, B [R] | ἔπειτα] [καὶ] [δὲ] |
| auf die Zeit-danach] [auch] [aber] | [darauf] |
| pt pr no fe md/ps | ἀ-φανιζομένη |
| individuell un-erscheinendes | individuell un-scheinbar machendes |
| individuell verschwinden machendes | individuell verschwindendes |
| pt pr no fe md/ps (Zustand) | |
| un-erscheinengemachtseiendes | un-scheinbargemachtseiendes |
| verschwindengemachtseiendes | in das Verschwinden gebrachtseiendes |
| pt pr no fe md/ps (Vorgang) | |
| un-erscheinengemachtwerdendes | un-scheinbargemachtwerdendes |
| verschwindengemachtwerdendes | in das Verschwinden gebrachtwerdendes. |

¹aL, **Codex Vaticanus** schreibt:

„Denn ein Dampf seid ihr,
der, der das (im Verlauf dieses Zeitlaufs)^{pt} zu kurzzeitigem individuell erscheint,
darauf auch (im Verlauf dieses Zeitlaufs)^{pt} individuell verschwindet.“

¹aL, **Textus Receptus** schreibt:

„Denn ein Dampf ist es,
der, der das (im Verlauf dieses Zeitlaufs)^{pt} zu kurzzeitigem individuell erscheint,
aber auch (im Verlauf dieses Zeitlaufs)^{pt} individuell verschwindet.“

| | |
|--|---------------------------------|
| ¹ das, | Ps 39.6 Ps 144.4 |
| ¹ das | |
| ¹ (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} | |
| ¹ zu | Ps 102.4 Hos 13.3 Hi 14.1 |
| ¹ kurzzeitigem | |
| ¹ individuell | |
| ¹ erscheint, | |
| ¹ darauf | |
| ¹ auch | |
| ¹ (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} | |
| ¹ individuell | |
| ¹ verschwindet. | |
| ¹ aL, | |
| Codex Alexandrinus | |
| schreibt: | |
| „Es | |
| wird | |
| individuell | |
| ein | |
| Dampf | |
| sein, | |
| der, | |
| der | |
| das | |
| (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} | |
| zu | |
| kurzzeitigem | |
| individuell | |
| erscheint, | |
| darauf | |
| auch | |
| (im Verlauf dieses Zeitlaufs) ^{pt} | |
| individuell | |
| verschwindet.“ | |

| | | | |
|---|-----------------------|--|----------------------|
| 15.) | prp gn | 15.) | gn ne |
| ἀντί | | τοῦ | |
| <u>Anstatt</u> | | dessen, | |
| | if pr | | prp ak |
| λέγειν | | | |
| zu <u>worten</u> | | in Bezug auf | |
| die <u>Worte</u> zu gebrauchen | | | |
| zu <u>sagen</u> , | | | |
| | 2 p pl ak | | |
| ὑμᾶς | | | |
| euch | | : | |
| | | ἐάν | |
| | | So | |
| | | | no ma |
| ὁ | | κύριος | |
| der | | Geltende | |
| | | Herr | |
| | κ, A, R: 3 p a1 kj kt | | [B: 3 p pr kj] |
| <u>θέληση</u> | | <u>θέλη</u> | |
| [(de facto) <u>wollen</u> sol/te / würde er] | | [<u>wollen</u> sol/te / würde er] | |
| | | | κ, A, B: 1 p pl ft |
| καί | | <u>ζήσομεν</u> | |
| und | | <u>leben</u> werden wir] | |
| | [R: 1 p pl a1 kj kt] | | |
| <u>ζήσομεν</u> | | καί | |
| [(de facto) <u>leben</u> sol/ten / würden wir], | | auch | |
| | κ, A, B: 1 p pl ft | | [R: 1 p pl a1 kj kt] |
| <u>ποιήσομεν</u> | | <u>ποιήσομεν</u> | |
| <u>tun</u> werden wir] | | [(de facto) <u>tun</u> könn/ten / würden wir] | |
| <u>machen</u> werden wir] | | [(de facto) <u>machen</u> könn/ten / würden wir] | |
| | pna no ne | | κ, B, R: |
| τούτο | | ἢ | |
| dieses | | oder | |
| | pna ak ne | | [A: aS] |
| ἐκεῖνο | | <u>ἢ-κεῖνο</u> | |
| dortiges | | | |
| jenes, | | | |

| |
|--------------------------------------|
| Anstattdessen |
| in |
| Bezug |
| auf |
| zu |
| weil |
| euch |
| sagen, |
| ¹ So |
| ¹ der |
| ¹ Herr |
| ¹ (de facto) ^a |
| ¹ wollen |
| ¹ sol/te, |
| ¹ und |
| ¹ wir |
| ¹ leben |
| ¹ werden, |
| werden |
| wir |
| auch |
| dieses |
| oder |
| jenes |
| tun. |

Joh 4.34
 Apg 18.21

Heb 6.3

¹aL, **Codex Vaticanus** schreibt (pr statt a):
 „So der Herr wollen sol/te, und wir leben werden,
 werden wir auch dieses oder jenes tun.“
¹aL, **Textus Receptus** schreibt:
 „So der Herr (de facto)^a wollen sol/te, und wir (de facto)^a leben sol/ten,
 könn/ten wir (de facto)^a auch dieses oder jenes tun.“

| | | |
|-------------------------------------|--|------------------------------|
| 16.) | | 16.) |
| νῦν | δέ | |
| <u>Nun</u> | aber | |
| | κ: | 2 p pl pr md/ps dp |
| dem | [κατα-καυχᾶσθε] | |
| | <u>euch entgegen-rühmet</u> ihr | |
| 2 p pl pr md/ps dp (Zustand) | | 2 p pl pr md/ps dp (Vorgang) |
| zum gegen-Rühmen veranlaßt seid ihr | zum gegen-Rühmen veranlaßt werdet ihr] | |
| | [A, B, R: 2 p pl pr md/ps dp | 2 p pl pr md/ps dp (Zustand) |
| [καυχᾶσθε] | | |
| <u>[euch-rühmet</u> ihr | zum Rühmen veranlaßt seid ihr | |
| | 2 p pl pr md/ps dp (Vorgang)] | prp dt |
| zum Rühmen veranlaßt werdet ihr] | ἐν | |
| | <u>in</u> | |
| | infolge von | |
| | | dt fe pl |
| ταῖς | ἀ-λαζονίαις | |
| <u>den</u> | unangemessenen-Sprechereien | |
| | <u>Hochmütigkeiten,</u> | |
| | Prahlerereien | |
| | Großtuerereien | |
| | | 2 p pl gn |
| ὑμῶν | [ἐ-πᾶσα] | κ: aj no fe |
| eurerseits | Welches-alles | |
| <u>euren.</u> | <u> Allsolches </u> | |
| | [A, B, R: aj no fe] | no fe |
| [πᾶσα] | καύχησις | |
| <u>[All]</u> | <u>Rühmen</u> | |
| | | κ |
| | τοι-αὔτη | pna no fe |
| ja | das-dieses | |
| | <u>solches</u> | |
| | | aj no fe |
| ποιη-ρά | ἐστίν | 3 p pr |
| pein-zufließend | <u>ist es.</u> | |
| <u>böse</u> | | |

| |
|---|
| ¹ Nun |
| ¹ aber |
| ¹ rühmet |
| ¹ ihr |
| ¹ euch |
| ¹ in |
| ¹ euren ^d Hochmütigkeiten |
| ¹ dem |
| ¹ entgegen. |
| ¹ Allsolches |
| ¹ Rühmen, |
| ¹ ja |
| ¹ solches |
| ¹ ist |
| ¹ böse. |
| ¹ aL, |
| Codex Alexandrinus, |
| Codex Vaticanus |
| und |
| Textus Receptus |
| schreiben |
| („dem |
| entgegen“ |
| fehlt): |
| „Nun |
| aber |
| rühmet |
| ihr |
| euch |
| in |
| euren ^d Hochmütigkeiten. |
| All |
| solches |
| Rühmen |
| ist |
| böse.“ |

| | | | |
|------|--|--|-----------------------------|
| 17.) | | 17.) | |
| | | pt def pe dt ma | |
| | <i>Dem</i> | εἰδότες Gewahrenden Wahrnehmenden | Demjenigen daher, |
| | | | der |
| | οὖν | | (fortlaufend) ^{pt} |
| | daher, | <i>das</i> | wahrnimmt, |
| | | | das |
| | ajak ma | | ideale |
| | καλὸν Rufhabende Verhülltmachende Ideale Vortreffliche Schöne | ποιεῖν zu tun , zu machen | zu |
| | | | tun, |
| | | | und |
| | καὶ | | demjenigen, |
| | und | <i>dem</i> | der |
| | | | es |
| | <i>es</i> | <i>trotdem</i> | trotdem |
| | | | (fortlaufend) ^{pt} |
| | | pt pr dt ma | nicht |
| | μὴ | ποιοῦντι Tuenden , Machenden | tut, |
| | nicht | | ihm |
| | | | ist |
| | | | es |
| | | no fe | {zuorts} |
| | ἀμαρτία nicht-Zeugnis Gebendes Verfehlung Sünde | {zuorts} | |
| | | | |
| | | 3 p dt ma | |
| | αὐτῷ | ἐστίν | {zuorts} |
| | ihm | ist es. | |
| | | 3 p pr | |
| | | | Joh 9.41 Röm 14.23 |

Luk 12.47+48

Joh 9.41
Röm 14.23